I-NEXT

13.09.15.

Shocked to see that a crane has collapsed at d #GrandMosque in #Mecca & claimed

डिजिटलाइजेशन की ओर यूनिवर्सिटीज ने बढ़ाए कदम

» अरबी फारसी यूनिवर्सिटी में 18 यूनिवर्सिटीज के वीसी की कांफ्रेस का हुआ आयोजन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (12 Sept): स्टेट की यूनिवर्सिटीज अब जल्द ही पूरी तरह डिजिटलाइजट हो सकती है. शनिवार को ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती उर्दू अरबी फारसी यूनिवर्सिटी में स्टेट के सभी यूनिवर्सिटी के वीसी की कांफ्रेस का आयोजित हुई है. इस बैठक में स्टेट के करीब 18 यूनिवर्सिटीज के वीसी व उनके प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. कांफ्रेंस में यूनिवर्सिटीज के पूरे सिस्टम उनके कार्य प्रणाली को और सरल और स्टूडेंट्स फ्रेंडली बनाने पर चर्चा की गई. इसमें यूनिवर्सिटी में एडमिशन से लेकर एग्जाम उनके रिजल्ट और काउंसिलिंग जैसी सभी प्रक्रियाओं को ऑनलाइन करने के प्रस्ताव पर विचार किया गया ताकि स्टूडेंट्स को एडमिशन से लेकर रिजल्ट पाने तक में कोई परेशानी न हो.

यूपीडेस्को ने किया प्रजेंटेशन

राज्यपाल राम नाईक ने कुछ मंथ पहले राजभवन में आयोजित सभी यूनिवर्सिटी वीसी और रजिस्ट्रार की बैठक आयोजित की थी. जिसमें राज्यपाल ने सभी स्टेट यूनिवर्सिटीज को डिजिटल करने की बात की थी. उसी संदर्भ में राजभवन की ओर से ही इस बैठक का आयोजन किया गया. इसमें यूपीडेस्को ने सभी वीसी को एक प्रेजेंटेशन दिखाई. जिसमें यूनिवर्सिटीज को किस तरह डिजिटल किया जा सकता है साथ ही होने वाली सुविधाओं के

CONCEPT PIC

बारे में बताया गया. अरबी फारसी यूनिवर्सिटी के वीसी ने प्रो. खान मसूद अहमद ने बताया कि बैठक में सभी का सकारात्मक नजरिया रहा. साथ ही यूनिवर्सिटीज को बेहतर करने के लिए कई सुझाव भी आए जिसकी रिपोर्ट राजभवन भेजी जाएगी.

सभी यूनिवर्सिटी को जोड़ेंगे

प्रेजेंटेशन में सभी यूनिवर्सिटीज को एक साथ जोड़कर एक इंटीग्रेटेड सॉफ्टवेयर बनाने की बात सामने आई. यूपीडेस्को के सिस्टम मैनेजर हरीशचंद्र गुप्ता ने बताया कि हमने यूनिवर्सिटी ऑटोमेशन सिस्टम के बारे में प्रतिनिधियों को बताया. इसमें एक इंटिग्रेटेड सॉफ्टवेयर होगा जिस पर टीचर और स्टूडेंट समेत यूनिवर्सिटी का पूरा डेटा बेस होगा. इसमें एनरॉलमेंट एग्जामिनेशनए रिजल्ट से लेकर यूनिवर्सिटी की छोटी से छोटी जानकारी इस सॉफ्टवेयर पर मौजूद रहेगी. इसके अलावा यूनिवर्सिटीज अगर अलग-अलग सॉफ्टवेयर चाहेंगी तो उनके मुताबिक भी सॉफ्टवेयर बना दिया जाएगा. हरीश चंद्र गुप्ता ने बताया कि इसमें स्टूडेंट्स की बॉयोमेट्रिक अटेंडेंस का भी प्रावधान है. इसमें बॉयोमेट्रिक मशीन के माध्यम से यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स की ऑनलाइन होगी.